खंड ख

# व्यावहारिक व्याकरण

15 अंक

# पाठ्यक्रम

| क्रम. सं. | विषयवस्तु | उप भार | कुल भार |
|---|---|---|---|
| 2. | **व्याकरण के लिए निर्धारित विषयों पर विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर प्रश्न।** | 15 | **15** |

| क्रम. सं. | व्याकरण | FA3 10 | FA4 10 | SAII 30 |
|---|---|---|---|---|
| 1. | शब्द निर्माण–<br>उपसर्ग – 2 अंक<br>प्रत्यय – 2 अंक<br>समास – 3 अंक | ✓ | | ✓ |
| 2. | अर्थ की दृष्टि से<br>वाक्य-भेद – 4 अंक | | | ✓ |
| 3. | अलंकार – 4 अंक<br>(शब्दालंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष)<br>(अर्थालंकार–उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, मानवीकरण) | ✓ | | ✓ |

# उपसर्ग

मूल शब्दों के आरंभ या शुरू में कुछ शब्दांश जोड़कर नए शब्द बनाए जाते हैं। इन शब्दाशों को उपसर्ग कहा जाता है। अर्थात् जो शब्दांश शब्दों के शुरू में जुड़कर मूल शब्द के अर्थ में बदलाव या विशेषता ला देते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं। अति, अधि, उप, सु, कु, परा आदि कुछ उपसर्ग हैं।

**हिंदी में प्रयुक्त उपसर्ग**–हिंदी भाषा में तीन प्रकार के उपसर्गों का प्रयोग किया जाता है–

(*i*) संस्कृत के उपसर्ग (*ii*) हिंदी के उपसर्ग (*iii*) उर्दू-फ़ारसी के उपसर्ग

***(i)* संस्कृत के उपसर्ग**–जो उपसर्ग संस्कृत भाषा से आए हैं और हिंदी में प्रयोग किए जा रहे हैं, उन्हें संस्कृत के उपसर्ग कहते हैं। इनका दूसरा नाम तत्सम उपसर्ग भी है। संस्कृत के उपसर्ग, अर्थ और उनसे बने नए शब्द देखें–

| उपसर्ग | अर्थ | उपसर्ग से बने शब्द |
|---|---|---|
| अति | अधिक, परे | अतिशय, अतिरिक्त, अत्यधिक, अत्यंत |
| अधि | श्रेष्ठ, ऊपर, समीप | अधिगम, अधिपति, अधिकृत |
| अन् | नहीं, अभाव | अनुपस्थित, अनजान, अनहोनी, अनुचित |
| अनु | पीछे, समान | अनुगामी, अनुकूल अनुरोध, अनुरूप |
| अप | हीन, बुरा, अपूर्ण | अपयश, अपराध, अपशिष्ट, अपव्यय |
| अव | बुरा, हीन | अवगुण, अवरोध, अवतरण, अवनति |
| अभि | सामने, पास, चारों ओर | अभिमान, अभिलाषा, अभियोजन |
| आ | तक | आजीवन, आजन्म, आसमुद्र |
| उत् | श्रेष्ठ, बुरा, ऊपर | उत्साह, उत्थान, उत्कर्ष, उत्पन्न |
| दूर् | कठिन, बुरा | दुर्गम, दुर्लभ, दुर्दिन, दुर्योग |
| दुस् | बुरा, कठिन | दुस्साहस, दुस्साध्य, दुस्तर |
| नि | बिना, अभाव | निहत्था, निडर, नियम |
| निर् | निषेध, मना | निर्मूल, निर्जल, निर्भय, निर्जन |
| प्र | अधिक, ऊपर | प्रहार, प्रधान, प्रसन्न, प्रमोद |
| प्रति | सामने | प्रतिदिन, प्रतिफल, प्रत्यक्ष, प्रतिरोध |
| परि | चारों ओर | परिधि, परिणय, परिधान |
| वि | विशेष, बिना | विशेष, विफल, विरोध |
| सु | सुंदर | सुपुत्र, सुफल, सुलभ, सुअवसर |

| | | |
|---|---|---|
| सम् (सं) | बराबर | संयोग, संभव, संबोधन |
| स्व | अपना | स्वदेश, स्वराज, स्वहित, स्वजातीय |
| तत् | उसी से संबंधित | तत्काल, तत्क्षण, तत्पश्चात् |

***(ii)* हिंदी के उपसर्ग**–इन्हें तद्भव उपसर्ग भी कहा जाता है। ये उपसर्ग संस्कृत के उपसर्गों से ही विकसित हुए हैं। हिंदी के उपसर्ग, अर्थ और उनसे बने शब्द देखिए–

| उपसर्ग | अर्थ | उपसर्ग से बने शब्द |
|---|---|---|
| अ | अभाव, हीन | अधर्म, अगम, अथाह, अछूत |
| अन | निषेध | अनजान, अनपढ़, अनहोनी, अनबन |
| अध | आधा | अधखिला, अधजला, अधमरा, अधकपारी |
| औ | हीन | औगुण, औघट |
| उन | एक कम | उनतीस, उनचास, उनसठ, उनहत्तर |
| कु/क | बुरा | कुकर्म, कुसमय, कपूत, कुलच्छनी |
| नि | रहित, नहीं | निकम्मा, निहत्था, निडर, निधन |
| सु/स | सुंदर | सुदिन, सुफल, सुलक्षणा, सुडौल |
| भर | भरा हुआ | भरसक, भरपेट, भरपूर |
| दु | रहित | दुबला, दुविधा, दुकूल |
| बिन | बिना | बिनव्याहा, बिनखाया, बिनकहा |

***(iii)* उर्दू-फ़ारसी के उपसर्ग**–इन उपसर्गों को आगत या विदेशी उपसर्ग भी कहा जाता है। कुछ विदेशी उपसर्ग उनके अर्थ तथा उपसर्ग युक्त शब्दों के उदाहरण देखिए–

| उपसर्ग | अर्थ | उपसर्गयुक्त शब्द |
|---|---|---|
| कम | थोड़ा | कमजोर, कमअक्ल, कमउम्र |
| खुश | अच्छा | खुशदिल, खुशमिज़ाज, खुशकिस्मत |
| गैर | बिना | गैरकानूनी, गैरहाज़िर, गैरजरूरी |
| दर | में | दरअसल, दरमियान |
| ना | बिना, नहीं | नालायक, नापाक, नासमझ, नागवार |
| ब | सहित | बदौलत, बखूबी, बगैर |
| बा | सहित, साथ | बाकायदा, बाइज़्ज़त, बावफा, बाअदब |
| बद | बुरा | बदसूरत, बदतमीज, बदमिजाज, बदजात |
| बे | बिना | बेशर्म, बेपरवाह, बेपर्दा, बेपनाह |
| ला | बिना | लापरवाह, लावारिस, लापता, लाइलाज |
| हम | साथ, समान | हमसफर, हमदर्द, हमदम, हमराज |
| बिला | बिना | बिलावजह, बिलाशर्त, बिलाकारण |
| नीम | आधा | नीमहकीम, नीमपागल, नीमहोश |

# प्रश्न-अभ्यास

**1. नीचे दिए गए शब्दों से उपसर्ग पृथक् कर मूल शब्द लिखिए–**

| उपसर्गयुक्त शब्द | उपसर्ग | मूल शब्द |
|---|---|---|
| **अत्याचार** | **अति** | **आचार** |
| संभ्रांत | ..... | ..... |
| परलोक | ..... | ..... |
| वियोग | ..... | ..... |
| सुलक्षणा | ..... | ..... |
| स्वराज | ..... | ..... |
| लापरवाह | ..... | ..... |
| स्वागत | ..... | ..... |
| अवगत | ..... | ..... |
| दुर्लभ | ..... | ..... |
| संसर्ग | ..... | ..... |
| अनुमान | ..... | ..... |
| उपयोग | ..... | ..... |
| पुरस्कार | ..... | ..... |

**उत्तर**

| उपसर्ग | मूल शब्द | उपसर्ग | मूल शब्द |
|---|---|---|---|
| सम् | भ्रांत | अव | गत |
| पर | लोक | दुर् | लभ |
| वि | योग | सम् | सर्ग |
| सु | लक्षणा | अनु | मान |
| स्व | राज | उप | योग |
| ला | परवाह | पुरस् | कार |
| सु | आगत | | |

**2. नीचे दिए गए शब्दों से उपसर्ग पृथक् कर लिखिए–**

(*i*) अधिगम (*ii*) उद्योग (*iii*) निधन
(*iv*) निर्वाह (*v*) निकम्मा (*vi*) प्रत्युत्तर
(*vii*) सम्मान (*viii*) निदान (*ix*) प्रतिशत
(*x*) प्रपंच (*xi*) आचरण (*xii*) अनुवाद
(*xiii*) अत्यधिक (*xiv*) संतुलन (*xv*) प्रतिफल
(*xvi*) दुरुपयोग (*xvii*) हमदर्द (*xviii*) बाकायदा

## उत्तर

| | | |
|---|---|---|
| (*i*) अधि | (*ii*) उत् | (*iii*) नि |
| (*iv*) निर् | (*v*) नि | (*vi*) प्रति |
| (*vii*) सम् | (*viii*) नि | (*ix*) प्रति |
| (*x*) प्र | (*xi*) आ | (*xii*) अनु |
| (*xiii*) अति | (*xiv*) सम् | (*xv*) प्रति |
| (*xvi*) दुर् | (*xvii*) हम | (*xviii*) बा |

**3. नीचे कुछ मूल शब्द दिए गए हैं। इनमें उचित उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए–**

| | मूल शब्द | उपसर्ग | नए शब्द |
|---|---|---|---|
| (*i*) | पूत | स | सपूत |
| (*ii*) | मति | ..... | ..... |
| (*iii*) | वास | ..... | ..... |
| (*iv*) | काष्ठा | ..... | ..... |
| (*v*) | परिवार | ..... | ..... |
| (*vi*) | साह | ..... | ..... |
| (*vii*) | जीवन | ..... | ..... |
| (*viii*) | भव | ..... | ..... |
| (*xi*) | सर्ग | ..... | ..... |
| (*x*) | यश | ..... | ..... |
| (*xi*) | योग | ..... | ..... |
| (*xii*) | दौलत | ..... | ..... |
| (*xiii*) | आदब | ..... | ..... |
| (*xiv*) | राज | ..... | ..... |

## उत्तर

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| (*ii*) | सु | सुमति | (*ix*) | सम् | संसर्ग |
| (*iii*) | प्र | प्रवास | (*x*) | अप | अपयश |
| (*iv*) | परा | पराकाष्ठा | (*xi*) | वि | वियोग |
| (*v*) | स | सपरिवार | (*xii*) | ब | बदौलत |
| (*vi*) | उत् | उत्साह | (*xiii*) | बा | बाअदब |
| (*vii*) | आ | आजीवन | (*xiv*) | राज | हमराज |
| (*viii*) | सम् | संभव | | | |

**4. नीचे दिए गए उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाइए–**

| | | |
|---|---|---|
| (*i*) तत् | (*ii*) सु | (*iii*) बे |
| (*iv*) परि | (*v*) उप | (*vi*) अभि |
| (*vii*) दर | (*viii*) बिन | (*ix*) उन |

(*x*) ला (*xi*) हम (*xii*) प्रति
(*xiii*) दु (*xiv*) कु (*xv*) भर
(*xvi*) गैर

### उत्तर

(*i*) तत्काल, तत्क्षण (*ii*) सुफल, सुजल (*iii*) बेवफा, बेरहम
(*iv*) परिक्रमा, परिभ्रमण (*v*) उपयोग, उपहार (*vi*) अभिमान, अभियोग
(*vii*) दरअसल, दरगाह (*viii*) बिनब्याहा, बिनचाहा (*ix*) उनचास, उनतीस
(*x*) लापरवाह, लाइलाज (*xi*) हमशक्ल, हमसफर (*xii*) प्रतिवर्ष, प्रतिदिन
(*xiii*) दुकूल, दुबला (*xiv*) कुख्यात, कुरूप (*xv*) भरपूर, भरपेट
(*xvi*) गैरकानूनी, गैरजरूरी

**5. नीचे दिए गए शब्दों को उदाहरण के अनुसार लिखिए जिससे इनमें लगे उपसर्ग पृथक् हो जाएँ–**

| **निरभिमानी** | **–** | **निर्** | **+** | **अभि** | **+** | **मानी** |
|---|---|---|---|---|---|---|
| अप्रत्यक्ष | – | ..... | + | ..... | + | ..... |
| स्वावलंबन | – | ..... | + | ..... | + | ..... |
| समालोचन | – | ..... | + | ..... | + | ..... |
| संप्रदाय | – | ..... | + | ..... | + | ..... |
| निराकार | – | ..... | + | ..... | + | ..... |
| असहयोग | – | ..... | + | ..... | + | ..... |

### उत्तर

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | + | प्रति | + | अक्ष | | सम् | + | प्र | + | दाय |
| स्व | + | अव | + | लंबन | | निर | + | आ | + | कार |
| सम | + | आ | + | लोचन | | अ | + | सह | + | योग |

## स्वयं करें

**1. पाँच ऐसे शब्द लिखिए, जिनमें उपसर्ग का प्रयोग हुआ हो।**

**2. नीचे लिखे शब्दों के उपसर्ग पृथक् कर मूल शब्द लिखिए–**

अतिरिक्त, अधिगम, अनुरोध, अभिलाषा, संप्रदाय, विफल, निष्कलंक, अत्याचार, अनहोनी, अवनति, तत्क्षण, सुचारु, निर्मल, उद्धार, उत्साह, दुर्योग, निवृत्त, प्रसन्न, पराजय, निहत्था, सुअवसर, अधपका, भरपूर, दुबला, दुस्साहस, खुशमिजाज, नीम-हकीम, बदनाम, हमराही, हरवक्त, अनजाना, अधर्म, अनुपस्थित।

**3. नीचे दिए गए उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाइए–**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अव | दु | भर | प्रति | बिन | निर् | अध | परा | अन | अंतर् |
| सु | अ | कु | दुस् | वि | नि | परि | बे | ला | सर |
| हम | कम | गैर | खुश | उत् | सम् | आ। | | | |

**4. नीचे दिए मूल शब्दों में उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए–**

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| तीस | खाया | पेट | फल | इलाज | कहा | मार्ग | तीस |
| हार | गुण | पूरक | रचित | खिला | ज्ञान | बात | उग्र |
| उम्र | नाम | परवाह | पर्दा | जरूरी | आशा | मूल्यन | भय |

**5. नीचे दिए शब्दों में एक से अधिक उपसर्ग का प्रयोग हुआ है। आप इन उपसर्गों को पृथक् कर उदाहरण के अनुसार लिखिए–**

प्रत्यारोपण – प्रति + आ + रोपण

व्याकरण = ..... + ..... + .....

पर्यावरण = ..... + ..... + .....

दुर्व्यवहार = ..... + ..... + .....

असंभव = ..... + ..... + .....

प्रत्युपकार = ..... + ..... + .....

## रचनात्मक मूल्यांकन

**क्रियाकलाप–** उपसर्ग से नए शब्द बनाना।

**उद्देश्य–**
- शब्द-भंडार को समृद्ध करना।
- शब्द के अर्थ में आए परिवर्तन को समझना।
- शब्द-निर्माण की प्रक्रिया को समझना।

**प्रक्रिया–**
- अध्यापक श्यामपट्ट पर संस्कृत, हिंदी, उर्दू आदि के विभिन्न उपसर्ग लिखेंगे।
- प्रत्येक विद्यार्थी उन उपसर्गों की सहायता से पाँच-पाँच नए उपसर्ग बनाएँगे।
- सभी छात्रों के ऐसा कर लेने के पश्चात् अध्यापक प्रत्येक छात्र द्वारा बनाए गए पाँच-पाँच शब्द सुनेगा।

**श्यामपट्ट पर लिखे जाने वाले उपसर्गों की सूची–**

अन्, अभि, अध, वि, सु, कम, बद
उप, निर्, अति, प्रति, औ, चौ
खुश कम, स्व, दर दुस्

**मूल्यांकन के आधार बिंदु–** प्रत्येक सही शब्द हेतु **एक अंक** दिया जाए।

❑❑❑